31.7.23
C.W

बोध

Ch-4

शब्दार्थ :-

1 सियाहेनवीस - माल के दफ्तर की कच्ची बही या रजिस्टर लिखनेवाला

2 कोसते - भला - बुरा कहना

3 अवसर - मौका

4 भगदड़ - दौड़ - भाग

5 उतावली - जल्दी

6 मुसाफिर - यात्री

7 फर्क - अंतर

8 ढाढ़स - हिम्मत, धीरज

9 स्मृति - याद

10 मुग्ध - मोहित

11 गौरव - महत्व या

12 सजल - आँसू - भरे

13 परिवर्तन - बदलाव

14 चेष्टा - प्रयास या कोशिश

1) मौखिक :-

(क) ठाकुर अतिबल सिंह कौन थे ?
= ठाकुर अतिबल सिंह थाने में हेड कांस्टेबल थे,

(ख) सारे मोहल्ले में किनका शोर था ?
= सारे मोहल्ले में ठाकुर अतिबल सिंह और मुंशी वैजनाथ का शोर था,

(ग) मुंशी वैजनाथ क्या काम करते थे ?
= मुंशी वैजनाथ तहसील में सियाहेनवीस थे,

(घ) पंडित चंद्रधर मंशी जी और ठाकुर साहब के अपमान को क्यों सहन कर जाते थे ?
= पंडित चंद्रधर मंशी जी और ठाकुर साहब के अपमान को सहन कर जाते थे क्योंकि वह दोनों पंडित जी के घर कभी-कभी आटा, दूध और सब्जी भेज देते थे,

(ङ) यात्रियों ने दारोगा जी को जगह क्यों नहीं दी ?
= यात्रियों ने दारोगा जी को जगह नहीं दी क्योंकि उनके प्रति उनका व्यवहार अच्छा नहीं था,

२) लिखित

(क) पंडित चंद्रधर किस लिए कुढ़ते रहते थे ?
= पंडित चंद्रधर ठाकुर अतिबल सिंह और मुंशी वैजनाथ के ठाठ-बाट को देखकर कुढ़ते रहते थे,

(ख) पंडित जी के विद्यार्थी उनके साथ कैसा व्यवहार करते थे ?
= पंडित जी के विद्यार्थी उनके ऊपर जान छिड़कते थे,

(ग) यात्रा के समय मुंशी वैजनाथ के साथ कौन-सी घटना घटी ? विस्तार से लिखो :-
= यात्रा के समय मुंशी वैजनाथ को एक बार उलटी हुई और पेट में मरोड़ पड़ने लगे,

(घ) पंडित चंद्रधर के स्वभाव में कैसे परिवर्तन आया ?
= पंडित चंद्रधर ने कृपा शंकर की सेवा से प्रभावित होकर जाना कि गुरु पद गरिमापूर्ण है, इसके आगे सारे पद गौण है, इससे उनके स्वभाव में परिवर्तन आया,

(ङ) किसने, किससे कहा और क्यों?

(i) "मैंने तुम्हारा क्या बिगाड़ा है? मैंने तो तुम्हारी सूरत भी नहीं देखी"
= ठाकुर साहब ने लेटे हुए यात्री से जगह पाने के लिए कहा

(ii) "जी हाँ खूब पहचानता हूँ।"
= चौखेलाल ने वैजनाथ से कहा क्योंकि वह तहसील में चौखेलाल से ठीक से पेश नहीं आते थे।

(iii) "इस सेवक को याद करते रहिएगा"
= कृपाशंकर ने अपने गुरुवर पंडित जी से कहा क्योंकि वह गुरु सेवी था।

3) उचित घटनाक्रम में लिखो :-

(क) बिल्लौर से रात को एक बजे गाड़ी छूटती थी, ये लोग खा-पीकर स्टेशन पर जा बैठे। 1

(ख) कृपाशंकर ने कई कुली बुलाए, सामान उठवाया और सबको अपने मकान पर ले गया। 4

(ग) जगह की बड़ी कमी थी, परंतु जिस डिब्बे में ठाकुर साहब बैठना चाहते थे, उसमें केवल चार यात्री थे। 2

(घ) पंडित जी घर पहुँचे तो उनके स्वभाव में बहुत परिवर्तन हो गया था। 5

ड. मजबूर होकर सब लोग मुंशी जी को एक पेड़ के नीचे उठा ले गए. 3

4) सही व गलत का चिह्न लगाओ :-

(क) पंडित चंद्रधर अस्पताल में एक कंपाउंडर थे. ✗
(ख) मुंशी जी, ठाकुर साहब व पंडित जी सपरिवार अयोध्या के लिए निकले थे. ✓
(ग) पंडित जी के छात्र उनकी बड़ी इज्जत करते थे. ✓
(घ) पंडित जी कम आमदनी होने के कारण अपने पेशे से संतुष्ट नहीं थे. ✓
(ङ) ~~बाबू~~ कृपाशंकर ने पंडित जी और उनके साथ दूसरे मेहमानों का बहुत स्वागत-सत्कार किया. ✓

भाषा बोध

1) समान तुकवाले शब्द लिखो :-

- लायक - गायक, नायक
- माली - खाली, नाली
- बंदी - मंदी, नंदी
- ठिठकना - टिकना, ठहरना
- बनकर - तनकर, मनकर

२) लिंग बदलो :-

- धोबी - धोबिन
- नाई - नाइन
- मुंशी - मुंशियाइन
- हलवाई - हलवाइन
- सुनार - सुनारिन
- देव - देवी
- राजपूत - राजपूजानी
- कहार - कहारिन

३) अर्थ लिखो :-

(क) राज - सज्य
राज़ - रहस्य

(ख) तेज - तीव्र
तेज़ - शक्तिपुंज

(ग) सजा - सजाया गया
सज़ा - दण्ड

५) रिक्त स्थानों की पूर्ति करो :-

(i) बड़ी बहन को पढ़ने का शौक था, शौक की बात है कि अब दादी माँ नहीं रही।

(ii) मोहन की स्त्री सब्जी लेने दौड़ी,
गरम इस्तरी से कपड़े जल गए।

(iii) गरिमा ने बाबू जी को शाल भेंट की,
इस साल बहुत वर्षा हुई।

(iv) यजमान को झूठा कहना उचित न था,
नौकर ने जूठा भोजन कुत्ते को दे दिया।

5) निम्नलिखित शब्दों के वाक्यांश लिखो :-

शब्द		वाक्यांश
(i) असहनीय	-	जिसे सहन न किया जा सके
(ii) दशक	-	दस वर्षों का समय
(iii) गोपनीय	-	जिसकी जानकारी न दी जाय
(iv) कर्मठ	-	जो कार्य करने में तल्लीन हो
(v) नीरस	-	जो रस हीन हो

-x-